Kiara Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः

Call: 08674827268

Kiara ID: 50011511 **Date:** 13/05/2020 **Validity : 1 Month Only**

नाम:	Aditya	**जन्म तिथि:**	03/05/1997	**जन्म समय:**	23:55 PM (24 hrs)
जन्म स्थान:	Baharaich (UP)	**मांगलिक योग:**	yes (25%)	**इष्ट देव:**	Shukra Dev
लग्न:	Makar lagna	**राशि:**	Meen (Pisces)	**नक्षत्र:**	उ० भाद्रपद - 2

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रहः (ग्रहों की स्थित के अनुसार) :

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Budh (व)	50%	Guru (नीच)	40%
2.	Shukra (अस्त)	0%	Surya (उच्च)	100%
3.	Rahu (व)	40%	Shani	100%
4.			Chandra	50%
5.			Mangal	25%
6.			Ketu (व)	40%

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं। ✓

2. राजयोग (अच्छा योग): विष्णु - लक्ष्मी राजयोग : (Active = 0%) - No Positive results. शुक्र अस्त हैं। इसलिए ओपल को चाँदी में अवश्य धारण करें तभी इस योग का उचित फल मिलेगा।

3. कुण्डली दोष: विष योग [शनि तथा चन्द्र के दान करने से दोष समाप्त होगा]

4. शुभ दिन: Wednesday

5. शुभ रंग: हरा, अशुभ: (लाल, पीला, काला, नीला)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. पन्ना	7+	Right	Little	चाँदी में बुधवार के दिन धारण करना है (8:15 AM)
2. ओपल	9+	Right	Middle	चाँदी में शुक्रवार को धारण करना है (8:15 AM)
3.				

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729, 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):

पन्ना तथा ओपल छोड़कर सभी रत्न वर्जित हैं। भूलकर भी धारण ना करें।

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु) बुध देव:- बुध का पन्ना सदैव रोगों को कम करने में मदद करेगा। सिर्फ चाँदी में धारण करें तभी उचित फल मिलेगा।

9. रोग – विश्लेषण: (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थय - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग , हृदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव	:	लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।
शुक्र देव	:	गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।
शनि देव	:	शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।
राहु देव	:	सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।
केतु देव	:	रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : गुरु, सूर्य, शनि, मंगल के दान करना अनिवार्य है। दान करने से रोग, कर्ज, शत्रु कम करने में मदद मिलेगी।

Comments:

- आलसी, गुस्सैल Nature रहेगा ! Negativity काफी आएगी !
- शुक्र अस्त होने के कारण पढ़ाई लिखाई में समस्या आएगी। जीवनभर ओपल धारण करके रखें ! सुख सुविधा में कमी आएगी !
- फिजूल की मेहनत का योग है तथा Results → Nill. (शनि, चन्द्र, केतु के दान करने से समस्या दूर होगी !)
- गुरु (नीच) होने के कारण Married life में समस्या रहेगी ! गुरु तथा चन्द्र का दान करने से दाम्पत्य-सुख Stable रहेगा। तथा शादी के योग बनेंगे। शादी काफी late से होने पर योग बनेगा। इसलिए शनि, चन्द्र, गुरु को शान्त रखें !
- माता एवं सुख सुविधा में कमी आएगी। माता को Blood से related समस्या होगी ! मंगल का दान हर मंगलवार को अवश्य करें ! & (सूर्य को रोजाना जल दें !).

8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

बुध की महादशा : 09/05/2009 to 08/05/2026 : अच्छी दशा (50%)

बुध/राहु/केतु :- 02/05/20 to 24/06/20 — खराब समय (90%)
[(फिजूल का Hardwork, पिता को परेशानी), धनलाभ में कमी रहेगी !].
→ केतु के उपाय एवंम दान करना है (बुधवार को)
→ सूर्य के दान व उपाय करना है (रविवार को)
→ मंगल के दान + उपाय करना है। (मंगलवार को).

बुध/राहु/शुक्र :- 25/06/2020 to 28/11/20 : अच्छा समय (100%)
(ओपल धारण करें!) — बहुत अच्छा result मिलेगा !

बुध/राहु/सूर्य :- 29/11/20 to 13/01/21 — खराब समय (80%)
(माता को परेशानी, कामकाज में परेशानी)
[सूर्य, शनि, मंगल का दान व पाठ करें!
गुरु का दान करें!]

☺ * 14/01/21 to 23/05/21 → खराब समय
[चन्द्र तथा मंगल के दान व पाठ/पूजन करें!
गुरु का दान भी करें!]

☺ शत्रु ग्रह :- [सूर्य, शनि, चन्द्र, मंगल, केतु, गुरु हैं। इनके दान दिन के हिसाब से करने से हर तरह की समस्या समाप्त होगी!]

Scanned with CamScanner

कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चींटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ॐ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ सों सोमाय नमः)**
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	हनुमान जी को सिन्दूर चढ़ाना , हनुमान जी को चोला चढ़ाना, लाल चीज का दान, टमाटर का दान, गाजर का दान, अनार का दान, शक्कर चींटियों को डालना, लाल सूखी मिर्च जल प्रवाह करना, मूँगा जल प्रवाह करना, हनुमान जी को पान के पत्ते चढना। **नोट:- छोटे भाई या छोटे भाई तुल्य व्यक्ति से मधुर संबंध रखना, ख्याल रखने से मंगल देव प्रसन्न होते हैं।** मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ भुं भौमाय नमः अथवा ॐ अं अंगारकाय नमः)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो।** **कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
बुद्ध देव के उपाय: **(बुधवार को करना है)**	हरा चारा गाय को डालना, खीरा दान करना, पुदीना दान करना, पन्ना जल प्रवाह करना, बाज़रा पंछियों को डालना, साबुत मूंगी का दान करना, हरी वस्तु (वस्त्र, चूड़ियाँ इत्यादि), तुलसी का दान और सेवा, किन्नरों को कुछ भी खाने को देना। **नोट:- छोटी कन्या, मौसी, बुआ, बहन, भाभी, ताई, चाची, मामी से मधुर संबंध रखने से बुध देव प्रसन्न होते हैं।** बुद्ध देव के मंत्र का जाप करें **(ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ (or) ॐ गंग गणपतये नमः)**
बृहस्पति देव के उपाय: **(बृहस्पतिवार को करना है)**	शक्कर का दान या चींटियों को डालना, बेसन के लड्डू का दान करना, केले, हल्दी का दान करना, केले क पेड़ को जल देना और सेवा करना, चने की दाल का दान करना, गेंदे का फूल मन्दिर में चढ़ाना, धार्मिक और ज्ञानवर्धक पुस्तके बांटना, सुनेला जल प्रवाह करना, पापीती का दान करना। **नोट:- बुजुर्गो की सेवा करना, गुरूजनो का सम्मान करना, पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** बृहस्पतिवार को हल्दी की पीली गाँठे जल प्रवाह करें और बृहस्पति देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ बृं बृहस्पतये नमः)**
शुक्र देव के उपाय:	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।**

(शुक्रवार को करना है)	हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ऊँ शुं शुक्राय नम:)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ शं शनैश्चराय नम:)**
राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ॐ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ रां राहवे नम:)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नम:)**

नोट: यदि आपकी कुंडली शनि, राहु के दान के लिए अनुमति प्रदान करती है तो **अमावश्या** के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6 ।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो॥

ॐ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011511 Date: 13/05/2020

Aditya

03 May 1997 11:55 PM

Bahraich

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Aditya

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 50011511

Date: 13/05/2020

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 03/05/1997**
दिन	: शनिवार
जन्म समय	**: 23:55:00 ांटे**
इष्ट	: 46:19:34 घटी
स्थान	**: Bahraich**
राज्य	: Uttar Pradesh
देश	: India

अक्षांश	: 27:35:00 उत्तर
रेखांश	: 81:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:03:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 23:51:24 घंटे
वेलान्तर	: 00:03:07 घंटे
साम्पातिक काल	: 14:38:09 घंटे
सूर्योदय	: 05:23:10 घंटे
सूर्यास्त	: 18:38:15 घंटे
दिनमान	: 13:15:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 19:31:43 मेष
लग्न के अंश	: 02:11:24 मकर

चैत्रादि संवत / शक	: 2054 / 1919
मास	: वैशाख
पक्ष	: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	: 11
तिथि समाप्ति काल	: 11:55:47
जन्म तिथि	: 12
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: पू०भाद्रपद
नक्षत्र समाप्ति काल	: 15:44:33 घंटे
जन्म नक्षत्र	: उ०भाद्रपद
सूर्योदय कालीन योग	: ऐन्द्र
योग समाप्ति काल	: 06:35:11 घंटे
जन्म योग	: वैधृति
सूर्योदय कालीन करण	: बालव
करण समाप्ति काल	: 11:55:47 घंटे
जन्म करण	: तैतिल
भयात	: 20:26:07
भभोग	: 55:30:11
भोग्य दशा काल	: शनि 12 वर्ष 0 मा 1 दि

अवकहड ा चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: मकर – शनि
राशि–स्वामी	**: मीन – गुरु**
नक्षत्र–चरण	**: उ०भाद्रपद – 2**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: वैधृति
करण	: तैतिल
गण	: मनुष्य
योनि	: गौ
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: सर्प
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: थ–थानसिंह
पाया(राशि–नक्षत्र)	: ताम्र – लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष

ाात चक्र	
मास	: फाल्गुन
तिथि	: 5-10-15
दिन	: शुक्रवार
नक्षत्र	: आश्लेषा
योग	: वज्र
करण	: चतुष्पाद
प्रहर	: 4
वर्ग	: गरूड़
लग्न	: सिंह
सूर्य	: मिथुन
चन्द्र	: कुम्भ
मंगल	: कर्क
बुध	: कुम्भ
गुरु	: सिंह
शुक्र	: कन्या
शनि	: वृष
राहु	: तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	02:11:24	385:26:40	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	———
सूर्य			मेष	19:31:43	00:58:11	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	उच्च राशि
चंद्र			मीन	08:14:34	14:24:58	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
मंगल			सिंह	23:08:06	00:04:18	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध	व	अ	मेष	06:36:44	00:22:33	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			मक	25:59:46	00:06:35	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	नीच राशि
शुक्र			मेष	27:37:00	01:13:56	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	सम राशि
शनि			मीन	20:33:29	00:06:55	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	04:09:15	00:00:25	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	04:09:15	00:00:25	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	14:49:04	00:00:28	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	———
नेप	व		मक	06:08:16	00:00:03	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	———
प्लूटो	व		वृश्चिक	10:59:16	00:01:30	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	———
दशम भाव			तुला	18:09:48	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	चंद्र	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:09

लग्न–चलित

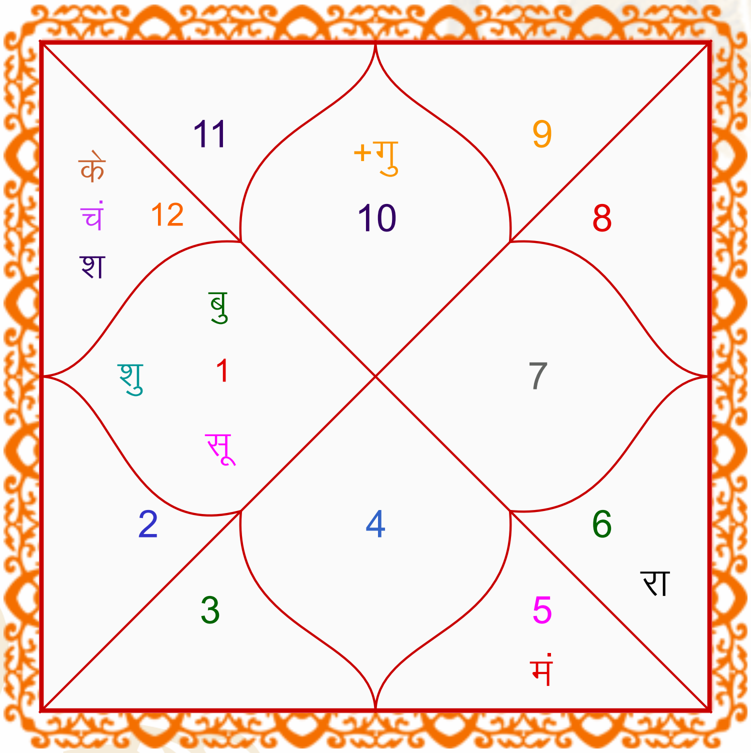

चन्द्र कुंडली

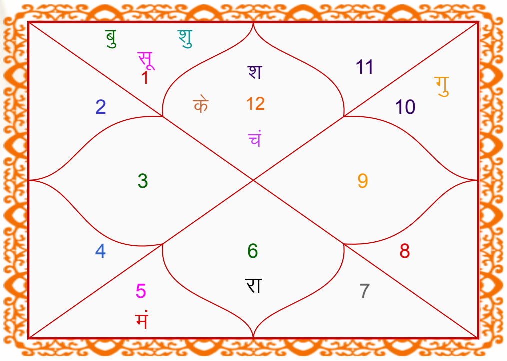

नवमांश कुंडली

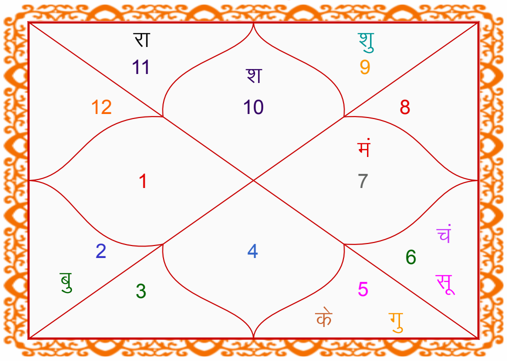

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	57	42	8	7	7	50	10
सप्तवर्गज बल	105	143	58	75	98	116	116
ओजयुग्मक बल	15	30	30	15	15	0	0
केन्द्र बल	60	15	30	60	60	60	15
द्रेष्काण बल	0	0	0	0	0	15	0
कुल स्थान बल	237	229	127	157	179	241	141
कुल दिग्बल	0	47	42	29	52	57	26
नतोन्नत बल	0	60	60	60	0	0	60
पक्ष बल	46	92	46	46	14	14	46
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	60	0
अब्द बल	0	15	0	0	0	0	0
मास बल	0	0	0	0	30	0	0
वार बल	0	0	0	0	0	0	45
होरा बल	0	0	0	0	0	60	0
अयन बल	101	29	37	45	11	53	23
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	148	196	143	151	115	188	173
कुल चेष्टाबल	0	0	48	50	28	6	9
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-3	-12	1	-7	-2	1	-9
कुल षट्बल	442	512	377	406	407	536	350
रूप षट्बल	7.4	8.5	6.3	6.8	6.8	8.9	5.8
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.5	1.4	1.3	1.0	1.0	1.6	1.2
संबंधित पद	2	3	4	7	6	1	5

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	50.26	23.97	20.01	19.01	14.05	17.85	9.47
कष्ट फल	7.03	29.05	25.09	22.81	41.05	23.39	50.52

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	350	350	407	377	536	406	512	442	406	536	377	407
भावदिग्बल	30	50	50	0	10	10	30	40	20	30	20	50
भावदृष्टि बल	-1	-6	-4	24	27	31	33	81	25	74	25	8
कुल भाव बल	378	394	453	401	573	447	575	563	452	640	422	465
रूप भाव बल	6.3	6.6	7.6	6.7	9.5	7.5	9.6	9.4	7.5	10.7	7.0	7.8
संबंधित पद	12	11	6	10	3	8	2	4	7	1	9	5

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

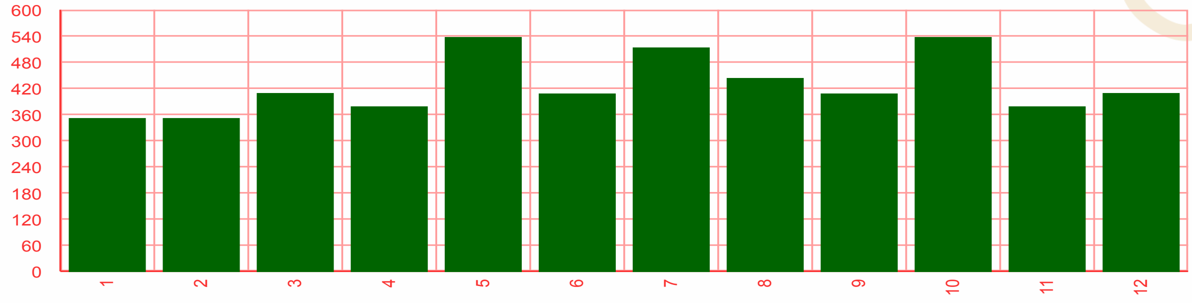

भावदिग्बल

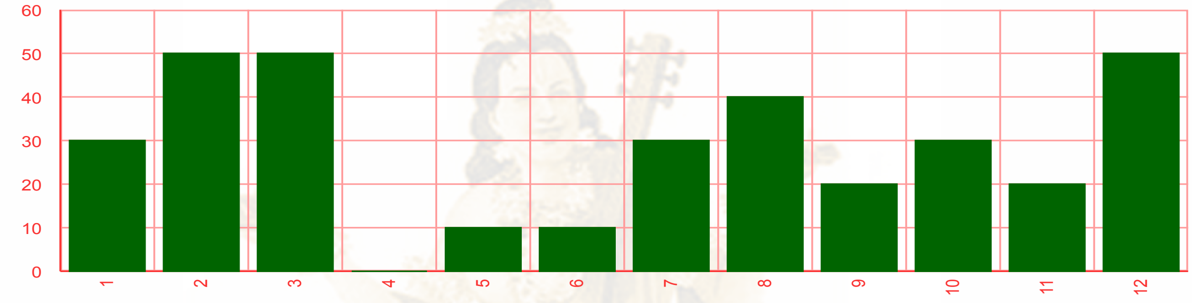

भावदृष्टि बल

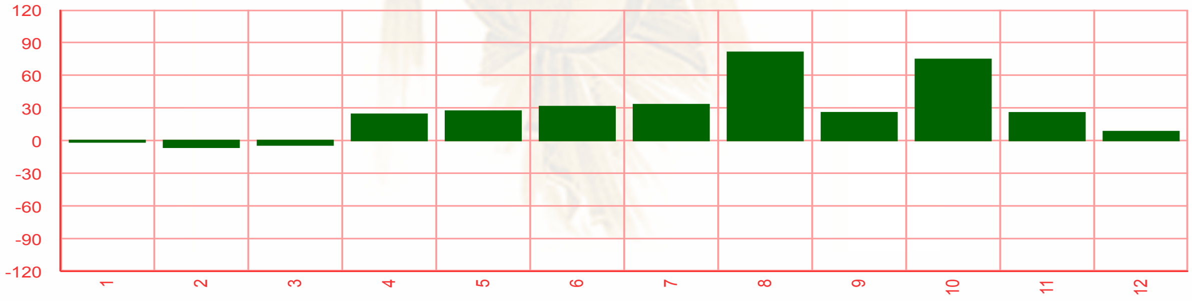

भाव बल

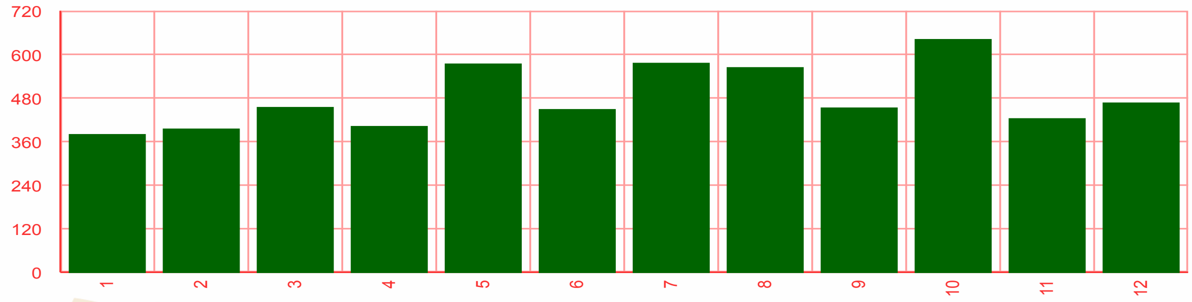

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 0 मास 1 दिन

शनि 19 वर्ष	
03/05/1997	
05/05/2009	
	00/00/0000
	00/00/0000
	03/05/1997
शुक्र	26/04/2000
सूर्य	08/04/2001
चंद्र	07/11/2002
मंगल	17/12/2003
राहु	23/10/2006
गुरु	05/05/2009

बुध 17 वर्ष	
05/05/2009	
05/05/2026	
बुध	02/10/2011
केतु	28/09/2012
शुक्र	30/07/2015
सूर्य	04/06/2016
चंद्र	04/11/2017
मंगल	01/11/2018
राहु	20/05/2021
गुरु	26/08/2023
शनि	05/05/2026

केतु 7 वर्ष	
05/05/2026	
05/05/2033	
केतु	01/10/2026
शुक्र	02/12/2027
सूर्य	07/04/2028
चंद्र	06/11/2028
मंगल	05/04/2029
राहु	23/04/2030
गुरु	30/03/2031
शनि	08/05/2032
बुध	05/05/2033

शुक्र 20 वर्ष	
05/05/2033	
05/05/2053	
शुक्र	03/09/2036
सूर्य	04/09/2037
चंद्र	05/05/2039
मंगल	05/07/2040
राहु	05/07/2043
गुरु	05/03/2046
शनि	05/05/2049
बुध	05/03/2052
केतु	05/05/2053

सूर्य 6 वर्ष	
05/05/2053	
05/05/2059	
सूर्य	23/08/2053
चंद्र	21/02/2054
मंगल	29/06/2054
राहु	24/05/2055
गुरु	11/03/2056
शनि	21/02/2057
बुध	28/12/2057
केतु	05/05/2058
शुक्र	05/05/2059

चंद्र 10 वर्ष	
05/05/2059	
05/05/2069	
चंद्र	05/03/2060
मंगल	04/10/2060
राहु	05/04/2062
गुरु	05/08/2063
शनि	05/03/2065
बुध	05/08/2066
केतु	06/03/2067
शुक्र	03/11/2068
सूर्य	05/05/2069

मंगल 7 वर्ष	
05/05/2069	
05/05/2076	
मंगल	01/10/2069
राहु	20/10/2070
गुरु	26/09/2071
शनि	03/11/2072
बुध	01/11/2073
केतु	30/03/2074
शुक्र	30/05/2075
सूर्य	05/10/2075
चंद्र	05/05/2076

राहु 18 वर्ष	
05/05/2076	
05/05/2094	
राहु	16/01/2079
गुरु	11/06/2081
शनि	16/04/2084
बुध	04/11/2086
केतु	22/11/2087
शुक्र	22/11/2090
सूर्य	17/10/2091
चंद्र	17/04/2093
मंगल	05/05/2094

गुरु 16 वर्ष	
05/05/2094	
06/05/2110	
गुरु	22/06/2096
शनि	04/01/2099
बुध	12/04/2101
केतु	19/03/2102
शुक्र	17/11/2104
सूर्य	05/09/2105
चंद्र	05/01/2107
मंगल	12/12/2107
राहु	06/05/2110

शनि 19 वर्ष	
06/05/2110	
00/00/0000	
शनि	09/05/2113
बुध	17/01/2116
केतु	25/02/2117
शुक्र	04/05/2117
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 12 वर्ष 0 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - राहु	
01/11/2018	
20/05/2021	
राहु	21/03/2019
गुरु	23/07/2019
शनि	17/12/2019
बुध	27/04/2020
केतु	20/06/2020
शुक्र	23/11/2020
सूर्य	08/01/2021
चंद्र	27/03/2021
मंगल	20/05/2021

बुध - गुरु	
20/05/2021	
26/08/2023	
गुरु	08/09/2021
शनि	17/01/2022
बुध	14/05/2022
केतु	01/07/2022
शुक्र	16/11/2022
सूर्य	28/12/2022
चंद्र	07/03/2023
मंगल	24/04/2023
राहु	26/08/2023

बुध - शनि	
26/08/2023	
05/05/2026	
शनि	29/01/2024
बुध	16/06/2024
केतु	12/08/2024
शुक्र	23/01/2025
सूर्य	13/03/2025
चंद्र	03/06/2025
मंगल	31/07/2025
राहु	25/12/2025
गुरु	05/05/2026

केतु - केतु	
05/05/2026	
01/10/2026	
केतु	14/05/2026
शुक्र	08/06/2026
सूर्य	15/06/2026
चंद्र	28/06/2026
मंगल	06/07/2026
राहु	29/07/2026
गुरु	18/08/2026
शनि	10/09/2026
बुध	01/10/2026

केतु - शुक्र	
01/10/2026	
02/12/2027	
शुक्र	11/12/2026
सूर्य	02/01/2027
चंद्र	06/02/2027
मंगल	03/03/2027
राहु	06/05/2027
गुरु	02/07/2027
शनि	07/09/2027
बुध	07/11/2027
केतु	02/12/2027

केतु - सूर्य	
02/12/2027	
07/04/2028	
सूर्य	08/12/2027
चंद्र	19/12/2027
मंगल	26/12/2027
राहु	14/01/2028
गुरु	31/01/2028
शनि	20/02/2028
बुध	10/03/2028
केतु	17/03/2028
शुक्र	07/04/2028

केतु - चंद्र	
07/04/2028	
06/11/2028	
चंद्र	25/04/2028
मंगल	08/05/2028
राहु	08/06/2028
गुरु	07/07/2028
शनि	10/08/2028
बुध	09/09/2028
केतु	21/09/2028
शुक्र	27/10/2028
सूर्य	06/11/2028

केतु - मंगल	
06/11/2028	
05/04/2029	
मंगल	15/11/2028
राहु	07/12/2028
गुरु	27/12/2028
शनि	20/01/2029
बुध	10/02/2029
केतु	19/02/2029
शुक्र	16/03/2029
सूर्य	23/03/2029
चंद्र	05/04/2029

केतु - राहु	
05/04/2029	
23/04/2030	
राहु	01/06/2029
गुरु	22/07/2029
शनि	21/09/2029
बुध	14/11/2029
केतु	07/12/2029
शुक्र	09/02/2030
सूर्य	28/02/2030
चंद्र	01/04/2030
मंगल	23/04/2030

केतु - गुरु	
23/04/2030	
30/03/2031	
गुरु	08/06/2030
शनि	01/08/2030
बुध	18/09/2030
केतु	08/10/2030
शुक्र	03/12/2030
सूर्य	21/12/2030
चंद्र	18/01/2031
मंगल	07/02/2031
राहु	30/03/2031

केतु - शनि	
30/03/2031	
08/05/2032	
शनि	02/06/2031
बुध	29/07/2031
केतु	22/08/2031
शुक्र	29/10/2031
सूर्य	18/11/2031
चंद्र	21/12/2031
मंगल	14/01/2032
राहु	15/03/2032
गुरु	08/05/2032

केतु - बुध	
08/05/2032	
05/05/2033	
बुध	28/06/2032
केतु	19/07/2032
शुक्र	18/09/2032
सूर्य	06/10/2032
चंद्र	05/11/2032
मंगल	26/11/2032
राहु	19/01/2033
गुरु	09/03/2033
शनि	05/05/2033

शुक्र - शुक्र	
05/05/2033	
03/09/2036	
शुक्र	24/11/2033
सूर्य	24/01/2034
चंद्र	05/05/2034
मंगल	15/07/2034
राहु	14/01/2035
गुरु	25/06/2035
शनि	04/01/2036
बुध	24/06/2036
केतु	03/09/2036

शुक्र - सूर्य	
03/09/2036	
04/09/2037	
सूर्य	22/09/2036
चंद्र	22/10/2036
मंगल	13/11/2036
राहु	06/01/2037
गुरु	24/02/2037
शनि	23/04/2037
बुध	14/06/2037
केतु	05/07/2037
शुक्र	04/09/2037

शुक्र - चंद्र	
04/09/2037	
05/05/2039	
चंद्र	24/10/2037
मंगल	29/11/2037
राहु	28/02/2038
गुरु	20/05/2038
शनि	25/08/2038
बुध	19/11/2038
केतु	25/12/2038
शुक्र	05/04/2039
सूर्य	05/05/2039

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - मंगल	
05/05/2039	05/07/2040
मंगल	30/05/2039
राहु	02/08/2039
गुरु	28/09/2039
शनि	05/12/2039
बुध	03/02/2040
केतु	28/02/2040
शुक्र	09/05/2040
सूर्य	30/05/2040
चंद्र	05/07/2040

शुक्र - राहु	
05/07/2040	05/07/2043
राहु	16/12/2040
गुरु	11/05/2041
शनि	01/11/2041
बुध	05/04/2042
केतु	08/06/2042
शुक्र	07/12/2042
सूर्य	31/01/2043
चंद्र	02/05/2043
मंगल	05/07/2043

शुक्र - गुरु	
05/07/2043	05/03/2046
गुरु	12/11/2043
शनि	14/04/2044
बुध	30/08/2044
केतु	26/10/2044
शुक्र	07/04/2045
सूर्य	25/05/2045
चंद्र	14/08/2045
मंगल	10/10/2045
राहु	05/03/2046

शुक्र - शनि	
05/03/2046	05/05/2049
शनि	05/09/2046
बुध	15/02/2047
केतु	24/04/2047
शुक्र	03/11/2047
सूर्य	30/12/2047
चंद्र	05/04/2048
मंगल	11/06/2048
राहु	02/12/2048
गुरु	05/05/2049

शुक्र - बुध	
05/05/2049	05/03/2052
बुध	29/09/2049
केतु	28/11/2049
शुक्र	19/05/2050
सूर्य	10/07/2050
चंद्र	04/10/2050
मंगल	04/12/2050
राहु	08/05/2051
गुरु	23/09/2051
शनि	05/03/2052

शुक्र - केतु	
05/03/2052	05/05/2053
केतु	30/03/2052
शुक्र	09/06/2052
सूर्य	30/06/2052
चंद्र	05/08/2052
मंगल	29/08/2052
राहु	01/11/2052
गुरु	28/12/2052
शनि	06/03/2053
बुध	05/05/2053

सूर्य - सूर्य	
05/05/2053	23/08/2053
सूर्य	10/05/2053
चंद्र	20/05/2053
मंगल	26/05/2053
राहु	11/06/2053
गुरु	26/06/2053
शनि	13/07/2053
बुध	29/07/2053
केतु	04/08/2053
शुक्र	23/08/2053

सूर्य - चंद्र	
23/08/2053	21/02/2054
चंद्र	07/09/2053
मंगल	17/09/2053
राहु	15/10/2053
गुरु	08/11/2053
शनि	07/12/2053
बुध	02/01/2054
केतु	13/01/2054
शुक्र	12/02/2054
सूर्य	21/02/2054

सूर्य - मंगल	
21/02/2054	29/06/2054
मंगल	01/03/2054
राहु	20/03/2054
गुरु	06/04/2054
शनि	26/04/2054
बुध	14/05/2054
केतु	22/05/2054
शुक्र	12/06/2054
सूर्य	18/06/2054
चंद्र	29/06/2054

सूर्य - राहु	
29/06/2054	24/05/2055
राहु	17/08/2054
गुरु	30/09/2054
शनि	21/11/2054
बुध	07/01/2055
केतु	26/01/2055
शुक्र	22/03/2055
सूर्य	07/04/2055
चंद्र	05/05/2055
मंगल	24/05/2055

सूर्य - गुरु	
24/05/2055	11/03/2056
गुरु	02/07/2055
शनि	17/08/2055
बुध	27/09/2055
केतु	14/10/2055
शुक्र	02/12/2055
सूर्य	17/12/2055
चंद्र	10/01/2056
मंगल	27/01/2056
राहु	11/03/2056

सूर्य - शनि	
11/03/2056	21/02/2057
शनि	05/05/2056
बुध	23/06/2056
केतु	13/07/2056
शुक्र	09/09/2056
सूर्य	26/09/2056
चंद्र	25/10/2056
मंगल	15/11/2056
राहु	06/01/2057
गुरु	21/02/2057

सूर्य - बुध	
21/02/2057	28/12/2057
बुध	06/04/2057
केतु	24/04/2057
शुक्र	15/06/2057
सूर्य	30/06/2057
चंद्र	26/07/2057
मंगल	13/08/2057
राहु	29/09/2057
गुरु	09/11/2057
शनि	28/12/2057

सूर्य - केतु	
28/12/2057	05/05/2058
केतु	05/01/2058
शुक्र	26/01/2058
सूर्य	02/02/2058
चंद्र	12/02/2058
मंगल	20/02/2058
राहु	11/03/2058
गुरु	28/03/2058
शनि	17/04/2058
बुध	05/05/2058

सूर्य - शुक्र	
05/05/2058	05/05/2059
शुक्र	05/07/2058
सूर्य	23/07/2058
चंद्र	23/08/2058
मंगल	13/09/2058
राहु	07/11/2058
गुरु	26/12/2058
शनि	21/02/2059
बुध	14/04/2059
केतु	05/05/2059